भूगोल | बी.ए. सेमेस्टर 4

भारत के औद्योगिक प्रदेश

यह प्रस्तुति भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों, उनके विकास के कारकों, विशेषताओं और चुनौतियों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करती है।

कॉलेज

स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़

व्याख्याता

प्रियंका चौधरी, निर्मला लोधी

विषय

भूगोल

Made with GAMMA

औद्योगिक प्रदेश: परिचय एवं परिभाषा

परिचय

औद्योगिक प्रदेश वह भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ उद्योग-धंधे केंद्रित होते हैं। इन प्रदेशों में कच्चे माल, ऊर्जा, श्रम और बाजार की उपलब्धता के कारण बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित होते हैं। भारत में औद्योगिक प्रदेश आर्थिक विकास के स्तंभ माने जाते हैं।

परिभाषा

> "औद्योगिक प्रदेश वह भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ एक या अधिक उद्योगों का घनीभूत रूप से विकास हुआ हो और जो आर्थिक दृष्टि से एक-दूसरे से जुड़े हों।"

— **हार्टशोर्न**

सरल शब्दों में, जहाँ उद्योगों का समूह एक निश्चित भौगोलिक सीमा में केंद्रित हो, उसे **औद्योगिक प्रदेश** कहते हैं।

Made with GAMMA

भारत में औद्योगिकीकरण का विकास

भारत में औद्योगिकीकरण की यात्रा दीर्घकालिक और चरणबद्ध रही है। ब्रिटिश काल में वस्त्र और खनन उद्योगों की शुरुआत हुई, जबकि स्वतंत्रता के बाद योजनाबद्ध विकास के माध्यम से औद्योगिक आधार को मजबूत किया गया।

1 — 1850–1900

मुंबई और अहमदाबाद में सूती वस्त्र उद्योग का आरंभ; कोलकाता में जूट उद्योग का विकास

2 — 1900–1947

ब्रिटिश शासनकाल में खनन, रेल और इस्पात उद्योग का विस्तार; टाटा इस्पात संयंत्र (1907)

3 — 1951–1990

पंचवर्षीय योजनाओं के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम; भारी उद्योगों को प्राथमिकता

4 — 1991 के बाद

उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीति; IT, फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में तेजी

Made with GAMMA

औद्योगिक प्रदेशों के विकास के प्रमुख कारक

किसी प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए कई भौगोलिक और आर्थिक कारक उत्तरदायी होते हैं।

कच्चा माल

उद्योग के निकट कच्चे माल की उपलब्धता लागत कम करती है। उदाहरण: लौह अयस्क के पास इस्पात उद्योग।

ऊर्जा संसाधन

कोयला, पेट्रोलियम, जलविद्युत और गैस की आपूर्ति उद्योगों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

श्रम

कुशल एवं सस्ते श्रमिकों की उपलब्धता उद्योगों को आकर्षित करती है।

परिवहन

सड़क, रेल, जल और वायु मार्गों की सुविधा कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन में सहायक है।

बाजार

बड़े शहरी बाजार और उपभोक्ता वर्ग की निकटता उद्योगों की लाभप्रदता बढ़ाती है।

Made with GAMMA

भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश — 1

🏭 मुंबई-पुणे औद्योगिक प्रदेश

भारत का सबसे बड़ा और विकसित औद्योगिक प्रदेश।

- **स्थान:** महाराष्ट्र (मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद)
- **प्रमुख उद्योग:** सूती वस्त्र, रसायन, पेट्रोकेमिकल, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग
- **विशेषता:** बंदरगाह, वित्तीय केंद्र, कुशल श्रम
- **प्रमुख कंपनियाँ:** टाटा, रिलायंस, महिंद्रा

🏭 हुगली औद्योगिक प्रदेश

पश्चिम बंगाल का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र।

- **स्थान:** हुगली नदी के दोनों किनारे (कोलकाता से हल्दिया तक)
- **प्रमुख उद्योग:** जूट, इंजीनियरिंग, रसायन, कागज, वस्त्र
- **विशेषता:** जूट उद्योग का विश्व प्रसिद्ध केंद्र; कोलकाता बंदरगाह
- **चुनौती:** जूट उद्योग में गिरावट, पलायन

Made with GAMMA

भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश — 2

छोटा नागपुर औद्योगिक प्रदेश

स्थान: झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़

- खनिज संपदा से समृद्ध — लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज
- इस्पात संयंत्र: बोकारो, राउरकेला, जमशेदपुर, दुर्गापुर
- भारत का "रूर" कहलाता है

अहमदाबाद-वडोदरा औद्योगिक प्रदेश

स्थान: गुजरात

- सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र — "पूर्व का मैनचेस्टर"
- रसायन, पेट्रोकेमिकल, ड्रग्स और फार्मास्युटिकल उद्योग
- कच्छ क्षेत्र में नए औद्योगिक निवेश

दिल्ली-एनसीआर औद्योगिक प्रदेश

स्थान: दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद

- IT, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, हस्तशिल्प उद्योग
- देश का सबसे तेजी से बढ़ता औद्योगिक क्षेत्र
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रमुख केंद्र

Made with GAMMA

भारत का औद्योगिक मानचित्र

भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश देश के विभिन्न भागों में फैले हुए हैं। यह मानचित्र दर्शाता है कि कैसे भौगोलिक स्थिति, संसाधन और बुनियादी ढांचे ने उद्योगों के केंद्रीकरण को प्रभावित किया है।

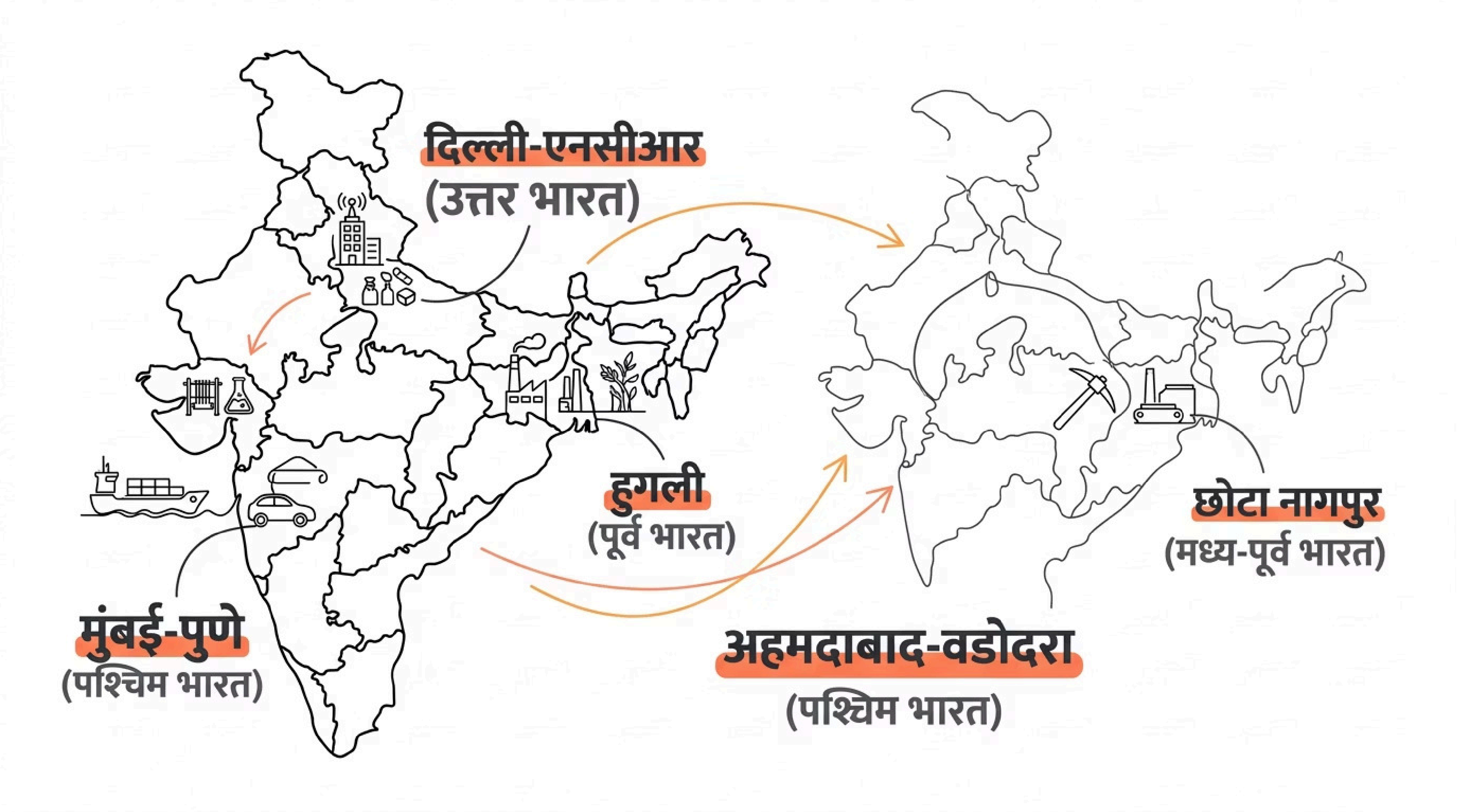

पश्चिमी भारत

मुंबई-पुणे और अहमदाबाद-वडोदरा — वस्त्र, पेट्रोकेमिकल और ऑटोमोबाइल में अग्रणी।

पूर्वी एवं मध्य भारत

हुगली और छोटा नागपुर — जूट, इस्पात और खनन उद्योगों के प्रमुख केंद्र।

Made with GAMMA

औद्योगिक विकास की प्रमुख समस्याएँ

भारत में औद्योगिक विकास के बावजूद कई संरचनात्मक और पर्यावरणीय समस्याएँ बनी हुई हैं।

⚡ ऊर्जा की कमी

अनेक उद्योगों को नियमित बिजली आपूर्ति नहीं मिलती, जिससे उत्पादन प्रभावित होता है।

🚧 बुनियादी ढांचे की कमी

सड़क, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स की कमजोरी से परिवहन लागत बढ़ती है।

💼 वित्त की कमी

छोटे और मध्यम उद्यमों (MSME) को ऋण उपलब्ध कराने में कठिनाई होती है।

🌍 पर्यावरणीय समस्याएँ

वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि क्षरण और वन विनाश उद्योगों के दुष्प्रभाव हैं।

👷 श्रमिक संबंध

श्रमिक कानूनों की जटिलता, हड़तालें और कौशल की कमी उत्पादकता को प्रभावित करती है।

Made with GAMMA

पर्यावरणीय प्रभाव एवं सतत औद्योगिक विकास

🌿 पर्यावरणीय प्रभाव

- **वायु प्रदूषण:** कारखानों से निकलने वाली गैसें (CO_2, SO_2) वायु को दूषित करती हैं
- **जल प्रदूषण:** रासायनिक अपशिष्ट नदियों और भूजल को प्रदूषित करते हैं
- **ध्वनि प्रदूषण:** मशीनों की आवाज़ से आस-पास के क्षेत्र प्रभावित होते हैं
- **भूमि क्षरण:** खनन और उद्योगों से उपजाऊ भूमि नष्ट होती है

♻️ सतत औद्योगिक विकास

सतत विकास का अर्थ है वर्तमान की जरूरतों को पूरा करना बिना भविष्य की पीढ़ियों के संसाधनों को नष्ट किए।

- स्वच्छ ऊर्जा (सौर, पवन) का उपयोग
- अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग
- हरित प्रौद्योगिकी (Green Technology)
- पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाएँ

आर्थिक विकास

स्थिर उद्योग और रोजगार सृजन

पर्यावरण संरक्षण

प्रदूषण नियंत्रण और संसाधन बचाव

सामाजिक समानता

श्रमिक कल्याण और सुरक्षित कार्यस्थल

सतत औद्योगिक विकास के तीन स्तंभ — आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समानता — एक-दूसरे के पूरक हैं।

Made with GAMMA

सरकारी नीतियाँ एवं निष्कर्ष

🏭 मेक इन इंडिया

2014 में आरंभ – विदेशी निवेश को आकर्षित करना और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना।

📦 PLI योजना

Production Linked Incentive – इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में प्रोत्साहन।

🌐 MSME समर्थन

छोटे उद्यमों को ऋण, प्रशिक्षण और बाजार पहुँच प्रदान करना।

निष्कर्ष

- भारत के **पाँच प्रमुख औद्योगिक प्रदेश** – मुंबई-पुणे, हुगली, छोटा नागपुर, अहमदाबाद-वडोदरा और दिल्ली-एनसीआर – देश की अर्थव्यवस्था के स्तंभ हैं।
- कच्चे माल, ऊर्जा, श्रम, परिवहन और बाजार जैसे **कारकों** ने इन प्रदेशों के विकास को आकार दिया है।
- पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान और **सतत विकास** की नीतियाँ भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
- सरकारी नीतियों जैसे **मेक इन इंडिया और PLI योजना** के माध्यम से भारत विश्व स्तर पर एक औद्योगिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है।

महत्वपूर्ण प्रश्न परीक्षा के लिए: भारत के किसी एक औद्योगिक प्रदेश का विस्तृत वर्णन कीजिए। औद्योगिक प्रदेश की परिभाषा लिखिए और विकास के कारकों को समझाइए।

Made with GAMMA